



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 13, 1979/वी० 23, 1900

No. 2]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 13, 1979/PAUSA 23, 1900

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक, 30 दिसम्बर, 1978

का०नि० सा० 8.— राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परानुक्त द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

(1) "मूल्यांकन" बोर्ड से नियम 8 के उपनियम (2) के अधीन गठित बोर्ड अभिप्रेत है;

(2) "आयोग" से संघ लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है;

(3) "महानिदेशक" से अनुसंधान और विकास महानिदेशक अभिप्रेत है;

(4) "कर्तव्य पद" से अनुसूची 2 में सम्मिलित कोई स्थायी या अस्थायी पद अभिप्रेत है;

(5) "सरकार" से भारत सरकार अभिप्रेत है;

(6) "संगठन" से रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन अभिप्रेत है;

(7) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है;

(8) "अनुसूचित जातियाँ" से ऐसी जातियाँ, मूल वंश या जनजातियाँ अथवा ऐसी जातियों, मूल वंशों या जनजातियों के भाग या उनके भीतर के समूह अभिप्रेत हैं जो संविधान के प्रयोजन के लिए संविधान के अनुच्छेद 341 के अधीन अनुसूचित जातियों के रूप में अधिसूचित हैं;

(9) "अनुसूचित जनजातियाँ" से ऐसी जनजातियाँ या जनजाति समुदाय अथवा ऐसी जनजातियों या जनजाति समुदाय के भाग या उनके भीतर के समूह अभिप्रेत हैं जो संविधान के प्रयोजन के लिए संविधान के अनुच्छेद 342 के अधीन अनुसूचित जन जातियों के रूप में अधिसूचित हैं;

(10) "सेवा" से रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा अभिप्रेत है।

3. रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा का गठन-रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा के नाम से एक सेवा का गठन किया जाएगा जिसमें नियम 7 और 8 के अधीन नियुक्त व्यक्ति होंगे। इस सेवा में सम्मिलित सभी पद समूह 'क' पद के रूप में वर्गीकृत किए जाएंगे।

4. श्रेणी, प्राधिकृत सवस्य संख्या और उसका पूर्णबोधोक्त—1) सेवा में सम्मिलित पद, उनकी संख्या और वेतनमान वे होंगे जो अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट हैं।

(2) इन नियमों के प्रारम्भ के पश्चात् विभिन्न श्रेणियों की प्राधिकृत स्थायी सहाय्य वह होगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए।

(3) सरकार विभिन्न श्रेणियों का सदस्य सहाय्य में ऐसा अस्थायी परिवर्धन या ऐसी कटौती कर सकती है जैसी वह समय-समय पर आवश्यक समझे।

(4) सरकार आयोग के परामर्श से अनुसूची 2 में सम्मिलित पदों से भिन्न किसी पद या सेवा में सम्मिलित कर सकती है या उस अनुसूची में सम्मिलित किसी पद को सेवा से निकाल सकती है।

(5) सरकार आयोग के परामर्श से, किसी एम अधिकारी को जिसका पद इस नियम के उपनियम (4) के अधीन सेवा में सम्मिलित है, अस्थायी हैमियत में या अधिष्ठान, हैमियत में जैसा उचित समझा जाए, सेवा का संचालित शर्तों में नियुक्त कर सकेगी और आयोग के परामर्श से श्रेणी में उसकी ज्योष्ठता नियत कर सकेगी।

5 सेवा के सदस्य—(1) निम्नलिखित व्यक्ति सेवा के सदस्य होंगे

(क) नियम 7 के अधीन इन नियमों की प्रख्यापना की तारीख से सेवा में नियुक्त व्यक्ति, ऐसी प्रख्यापना की तारीख से

(ख) इन नियमों की प्रख्यापना के पश्चात् कर्तव्य पद पर नियुक्त व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको वे इस प्रकार नियुक्त किए गए हैं,

(2) इस नियम के उपनियम (1) के खण्ड (क) के अधीन नियुक्त व्यक्ति ऐसी प्रख्यापना पर, तत्समान श्रेणी में सेवा का सदस्य समझा जाएगा।

(3) इस नियम के उपनियम (1) के खण्ड (ख) के अधीन नियुक्त व्यक्ति, ऐसी नियुक्ति की तारीख से, तत्समान श्रेणी में सेवा का सदस्य समझा जाएगा।

(4) उपर्युक्त के अलावा, सरकार, जब आवश्यक समझे, किसी प्रतिष्ठित वैज्ञानिक को परामर्शी के रूप में या एमरिटस वैज्ञानिक के रूप में ऐसी शर्तों और निर्बंधनों पर जैसी वह प्रत्येक मामले में विनिश्चित करे, नियुक्त कर सकती है।

18 6 शर्तों की पद्धति—सेवा में शर्तों निम्नलिखित पद्धतियों में से किसी एक द्वारा की जाएगी। शर्तों की पद्धति का दिनिश्चय प्रत्येक अवसर पर सरकार द्वारा पद के वाय की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए किसी विशिष्ट पद के लिए अपेक्षित अर्हताओं के प्रकाश में, किया जाएगा—

(1) प्रोन्नति द्वारा

(2) सीसी आर्मी द्वारा

(3) केन्द्रीय या राज्य सरकारों के अधीन अन्य सेवाओं और विभागों के उपयुक्त अधिकारियों के स्वाभाविक द्वारा

(4) वैश्वविद्यालयों, प्रौद्योगिकी संस्थानों भारत में या विदेश में अनुसंधान संस्थाओं और गैर सरकारी निकायों अथवा केन्द्रीय या राज्य सरकारों के विभागों से उपयुक्त वैज्ञानिकों और शिल्प विज्ञानियों की प्रतिनियुक्ति द्वारा अथवा सविदा पर

(5) सेना, नौसैन्य वायुसेना से उपयुक्त अधिकारियों के सिविलियन हैमियत में आमेलन द्वारा

19 11—

(क) ऐसे उपयुक्त अधिकारियों के आमेलन द्वारा जो मद (4) में वर्णित पद्धति से प्रतिनियुक्त पर या सविदा पर नियुक्त किए गए थे।

7 सेवा का आरम्भिक गठन—(1) (क) रक्षा विज्ञान सेवा के समूह 'क' के ऐसे सभी अधिकारियों को जो इन नियमों की प्रख्यापना की तारीख का रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में काम कर रहे हैं रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा के उन पदों या श्रेणियों के समान पदों या श्रेणियों में नियुक्त समझा जाएगा जिसे वे नियमित आधार पर आवरण कर रहे थे।

(ख) रक्षा विज्ञान सेवा का ऐसा कोई अधिकारी जो निरीक्षण महा-निदेशालय और तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निदेशालय के पत्रों किन्हीं कर्तव्यों या स्थानों में कार्य कर रहा है या उत्पत्ति तारीख को कार्य कर रहा था, रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा का तब तक सदस्य नहीं बनता जब तक वह इन नियमों की प्रख्यापना की तारीख से नौ नवम व सातम इस सेवा के लिए विकल्प प्राप्त नहीं करता है और उस विलम्बित किए जाने के लिए नीचे उपनियम (2) में उल्लिखित रीति में वापस नहीं पाया जाता है।

(2) निदेशालय महा-निदेशालय और तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निदेशालय में कार्य कर रहे रक्षा विज्ञान सेवा के ऐसे अधिकारियों को दश में जो रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा के लिए विकल्प प्रकट करते हैं सेवा में नियुक्त किए जाने की उनकी उपयुक्तता निम्नलिखित रूप में गठित की गई छानबीन समिति द्वारा अवधारित की जाएगी। इस समिति का विनिश्चय अनुसंधान और सभी सम्बद्ध शक्तियों पर आय-कर होगा और उस समिति के विनिश्चय के विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकेगी—

(क) आयोग का अध्यक्ष या सदस्य अध्यक्ष

(ख) रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक महामन्त्री तथा अनुसंधान और विकास महानिदेशक

(ग) अनुसंधान और विकास के दाम्पत्य नियंत्रक सदस्य

(घ) सबद्वितीय मन्त्रिण हैमियत का एक अधिकारी जो महानिदेशक द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा।

स्पष्टीकरण—आयोग के अध्यक्ष या सदस्य में भिन्न किसी सदस्य की अनुस्थिति छानबीन समिति का कार्यवाहियों को अधिमान्य नहीं बनाएगी।

परन्तु रक्षा विज्ञान सेवा के ऐसे अधिकारियों का, जो छानबीन समिति द्वारा इस सेवा में नियुक्ति के लिए उपयुक्त पाए गए हैं, इस सेवा में आमेलन इन नियमों की प्रख्यापना की तारीख से पूर्ववर्ती तारीख की रक्षा विज्ञान सेवा में उनके द्वारा नियमित आधार पर आवरण श्रेणियों के समान श्रेणियों में उपलब्ध रिक्त स्थानों में कर लिया जाएगा और वे उस तारीख को रक्षा विज्ञान सेवा में उन्हीं की गई अपनी परम्परा ज्योष्ठता बनाए रखेंगे। ऐसे अधिकारियों को रिक्त स्थानों की कमी के कारण इस प्रकार आमेलन नहीं किए जा सकते हैं निरीक्षण महा-निदेशालय या तकनीकी विकास और उत्पादन (वायु) निदेशालय उम संगठनों में उम समय तक सेवा करते रहेंगे जब तक कि उन्हें आमेलन करने के लिए सेवा में तत्समान श्रेणियों में नियमित रिक्ति का उपलब्ध नहीं हो जाय ऐसे अधिकारियों को ज्योष्ठन आयोग के परामर्श से महानिदेशक द्वारा नियत की जाएगी।

टिप्पण ऊपर उपनियम (1) और (2) में उल्लिखित अधिकारियों की, रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा में नियुक्ति से पूर्व उनकी अपनी-अपनी श्रेणियों में की गई नियमित लगातार सेवा का सेवा प्रोन्नति, प्रुष्टिकरण और पेन्शन के लिए अर्हक सेवा के प्रयोजन के लिए गणना में लिया जाएगा।

(3) इस नियम के उपनियम (1) (क) में निर्दिष्ट कोई ऐसा अधिकारी जो सेवा में किसी श्रेणी में चयन पर सेवा में आमेलन किए जाने की इच्छा नहीं रखता है, चयन के ठीक पूर्व उनके द्वारा धारित पद पर, इस प्रकार बना रह सकेगा मानो उसका चयन हुआ ही नहीं

या और इस प्रयाजन के लिए वह पद सेवा से तब तक के लिए विरजित समझा जाएगा जब तक वह उसे वापस किए रहता है। संगठन में किसी और प्राप्ति या पुष्टि के लिए उस पर विचार नहीं दिया जाएगा।

(1) जिस सीमा तक सेवा की विभिन्न श्रेणियां में प्राविष्ट नियमित पद सेवा, प्रारंभिक गठन के समय नहीं मरी जाती है उस सीमा तक उन्हें नियम 8 के अनुसार भरा जाएगा।

8 सेवा का भविष्य में बनाए रखना — (1) नियम 7 के अनुसार अधिकारियों की नियुक्ति द्वारा सेवा के प्रारंभिक गठन के पूरा हो जाने के पश्चात् रिक्त स्थान इसमें इसके आगे दी गई रीति में भरे जाएंगे, परन्तु—

(क) विभिन्न विषय क्षेत्र में वैज्ञानिक 'ख' की श्रेणी के पदा का, परीक्षा की स्कीम के अनुसार, जो आयोग के परामर्श में अनुमोदित की जाएगी, खुली प्रतियोगात्मक परीक्षा के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा भरा जाएगा। अधिकतम आयु सीमा 26 वर्ष होगी (जो, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के कर्मचारियों के लिए शिथिल की जा सकती है) किसी भी अवधि की परीक्षा में तीन अवसर में अधिक अवसर की अनुज्ञा तब तक नहीं दी जाएगी जब तक वे किसी ऐसे अवकाश के अन्तर्गत न आते हों, जो समय समय पर सरकार द्वारा इस निम्न अधिसूचित किए जाए। तथापि ऐसे सभी व्यक्ति जिनकी भर्ती इन नियमों की प्रस्थापना के पूर्व रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारियों के रूप में नियमित आधार पर की गई है, और जिनके पास सीधी भर्ती के लिए अधिकृत शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं, वैज्ञानिक 'ख' के पद पर उस श्रेणी के रिक्त स्थानों के 50 प्रतिशत तक प्रोन्नति के लिए तब तक पात्र रहेंगे जब तक ऐसे सभी लोगों की नियुक्ति नहीं कर दी जाती है।

"जिस प्रोन्नतियों के लिए चयन (1) गोपनीय रिपोर्टों या साक्षात्कार या श्रोतों के आधार पर अवकाश (2) सामान्य विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा तथा तत्पश्चात् गोपनीय रिपोर्टों या साक्षात्कार या श्रोतों के आधार पर पर्याप्त बोर्ड की सिफारिशों पर किया जाएगा। सामान्य विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा को दशा में उन सभी विद्यमान विभागीय कनिष्ठ वैज्ञानिकों के लिए जो रिक्तियों के आधार पर या सीधे की जाने वाले व्यक्तियों के लिए यथावश्यक शैक्षिक अर्हताएं नहीं हैं, भी परका देने के लिए अनुमति दिया जाएगा और यों ही अर्हताएं हैं और उन्हें मूल्यांकन बोर्ड द्वारा गोपनीय निर्धारित किया जाता है जो वे भी आयोग के अनुमोदन के अधीन रहते हुए वैज्ञानिक 'ख' पद पर प्राप्ति के लिए पात्र होंगे"

परन्तु उस श्रेणी में इस रीति में भरे गए पदों की कुल संख्या इन नियमों की प्रस्थापना की तारीख को उस श्रेणी के लिए कुल स्वीकृत सदस्य संख्या के 50 प्रतिशत में किसी भी समय अधिक नहीं होगी। यह रियायत उन व्यक्तियों को भी लागू होगी जो इन नियमों की प्रस्थापना की तारीख को या उसके पश्चात् रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में नियमित आधार पर कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारियों के रूप में नियुक्त या प्रोन्नत किए गए हैं, परन्तु यह तब जब कि—

(1) उन्हें इन नियमों की प्रस्थापना की तारीख से पूर्व, सशस्त्र सेवा आयोग द्वारा विस्थापित पदों पर कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया गया हो,

(ii) उन्हें इन नियमों की प्रस्थापना की तारीख से पूर्व विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारियों के रूप में प्रोन्नत किया गया हो।

परन्तु यह और कि नियुक्ति प्राधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह, आयोग से परामर्श करके, खुली प्रतियोगात्मक परीक्षा के बिना, सीधी भर्ती द्वारा इन पदों को भर दे।

(ख) वैज्ञानिक 'ख' में ऊपर के किसी भी पद को नियम 8 में वर्णित किसी भी पद्धति द्वारा भरा जाएगा। भर्ती की पद्धति, प्रत्येक अवसर पर, महानिदेशक द्वारा विनिश्चित की जाएगी जो विनिश्चित अपेक्षाओं

और उस विशिष्ट पद के लिए अपेक्षित अर्हताओं को ध्यान में रखकर तय की जाएगी। प्रतियोगिता प्रबंध वाले ऐसे पदों के लिए सरकार, चूंकि राज्य के हित और संगठन के उद्देश्य परम महत्व के होते हैं, पदों को भरने की पद्धति पदधारी से अपेक्षित क्षमता, प्राप्त किए जाने वाले उद्देश्यों और अपेक्षित अर्हताएं और अनुभव वाले व्यक्तियों की सेवा के भीतर और बाहर उपलब्धता का ध्यान में रखकर विनिश्चित करेगी।

(ग) वैज्ञानिक साहाय्यक और अनुसंधान और विकास महानिदेशक के पद का आयोग के परामर्श से भरा जाएगा।

(2) विभागीय प्राप्ति ऐसे अधिकारियों में से की जाएगी जो अनुसूची 3 में दी गई विस्तृत शैक्षिक अर्हताएं रखते हों और जो शीघ्र नीचे की श्रेणी में काम करते हों। प्रोन्नति के लिए अधिकारियों का चयन व्यक्ति के गुणागुण या विशिष्ट श्रेणी में कार्य निष्पादन के आधार पर, जो अनुसूची के अनुसार गठित मूल्यांकन बोर्ड द्वारा निर्धारित किया गया हो न कि केवल ज्येष्ठता के आधार पर, निम्नलिखित रीति से किया जाएगा।

(क) मूल्यांकन बोर्डों को वर्ष में कम से कम एक बार या ऐसे अवसरों पर बुलाया जाएगा जो महानिदेशक द्वारा विहित किए जाए। ये बोर्ड, पूर्ण रूप से भागी के रूप में या एक से अधिक स्थापनों में जैसा कि महानिदेशक द्वारा विनिश्चित किया जाए, विभिन्न स्थापनों या प्रयोगशालाओं या मुख्यालयों में कार्य करने वाले व्यक्तियों की योग्यता को, उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिए, मूल्यांकन करने के प्रयोजनार्थों के लिए करके।

(ख) वैज्ञानिक 'ख' और उससे ऊपर के पदों पर प्रोन्नति के लिए विनिश्चित अर्हता अपेक्षाएं (जुदा और महानिदेशक द्वारा प्रत्येक अवसर पर उस विशिष्ट पद के लिए अपेक्षित अर्हताओं और उनके लिए कार्य की अपेक्षाओं का ध्यान में रखते हुए अवधारित की जाएगी।

(ग) प्रोन्नति के लिए अधिकारियों की मूल्यांकन में, मूल्यांकन बोर्ड उनकी अर्हताओं के अनुसार गुणागुण ज्येष्ठता आदि को ध्यान में रखेगा जो गोपनीय रिपोर्टों और साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। प्रत्येक मूल्यांकन बोर्ड अपने विवेकानुसार ऐसे अधिकारियों (अधिकारियों) की अभ्यर्थिता पर, जो साक्षात्कार के लिए उपस्थित हों, में असमर्थ हों, उनकी अनुपस्थिति में विचारों के आधार पर मूल्यांकन बोर्ड ऐसे अधिकारियों की एकामूर्ती तैयारी करेगा जिनका मूल्यांकन करके उन्हें अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिए उपयुक्त माना गया है।

(घ) मूल्यांकन बोर्ड अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिए उपयुक्तता निर्धारित करने में उन्हें संबंधित अधिकारियों के (श्रेणियों पर विचार करेगा जिन्होंने अर्हताओं को प्राप्त किया है) प्रतियोगिता तथा पूरी कर ली हो। तथापि, यदि अधिकारियों की संख्या अपनी श्रेणी में लगातार तीसरे वर्ष के लिए कम हो जाएगी तो रिपोर्ट या लगातार चार श्रेणियों में प्रोन्नतियों (श्रेणियों) में प्रोन्नतियों मिलें हो तो उसका मूल्यांकन बोर्ड अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिए किया जाएगा।

(ङ) विभिन्न स्थान या प्रयोगशालाओं या मुख्यालयों में प्रोन्नति के लिए मूल्यांकन बोर्डों की सिफारिशों के आधार पर, मूल्यांकन बोर्डों के परामर्श में निश्चित तारीख से कार्यान्वित की जाएगी। ये तारीखें ऐसे सभी अधिकारियों के बीच में, जिन्हें प्रोन्नति के लिए उपयुक्त माना गया है, में समान होंगी। उनकी ज्येष्ठता अवधारित करने के लिए प्रयोगशालाओं की तारीख समझी जाएगी परन्तु यह कि किसी भी तारीख को सूची पर हो। तथापि, ऐसे अधिकारियों, जो उस तारीख का अपने स्थापनों, प्रयोगशालाओं या मुख्यालयों में कार्य

छुट्टी पर हों, अपने स्थापन प्रयोगशाला या मुख्यालयों में अपना कार्य संभालने की तारीख से अपना कार्यभार उसी श्रेणी में संभालेंगे जिसमें उन्हें प्रोन्नति दी गयी है परन्तु इससे उनके "चयन की तारीख" या उसी मूल्यांकन बोर्ड द्वारा प्रोन्नति के लिए उपयुक्त समझे गए अन्य अधिकारियों की तुलना में उच्चतर श्रेणी में उनकी प्राथमिक ज्येष्ठता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। जहां तक भारत में या विदेश में (मू० नि० 51 के अन्तर्गत) प्रशिक्षण या रहे व्यक्तियों का संबंध है, अगली उच्चतर श्रेणी में उन्हें उस तारीख से प्रोन्नति किया जाएगा जिस तारीख को वे, यदि प्रशिक्षण पर न गए होते तो प्रोन्नत किए जाते। ऐसी प्रोन्नति निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर की जाएगी :—

- (1) ऐसे प्रशिक्षण की अवधि को मू० नि० 9(6) (ख) के अधीन द्यूटी समझा जाता है।
- (2) उन्हें अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिए अनुमोदित कर दिया गया है।
- (3) उनके सभी उपलब्ध ज्येष्ठ व्यक्तियों को, उनको छोड़कर, जिन्हें किसी विशिष्ट श्रेणी में प्रोन्नति के लिए प्रायोग्य माना गया है, उस श्रेणी में प्रोन्नत कर दिया गया हों।

(ब) वैज्ञानिक 'ग' वैज्ञानिक 'ब' और वैज्ञानिक 'क' की श्रेणियों में अधिकारियों की प्रोन्नति के बारे में मूल्यांकन बोर्ड की सिफारिश पर एक श्रेणी से दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत अधिकारियों को यथासंभव उन्हीं स्थापनों, प्रयोगशालाओं या मुख्यालयों में स्वस्थाने प्रोन्नत किया जाएगा। इस प्रयोजन के लिए उस श्रेणी में अपेक्षित संख्या में पदों के ग्रेड को महानिदेशक की शक्तियों के अधीन, उस स्थापन प्रयोगशाला या मुख्यालय के लिए संजूर बजट संबंधी सीमा के भीतर रहते हुए, बढ़ा दिया जाएगा परन्तु यह इस परन्तु के अधीन होगा कि वैज्ञानिक 'ब' और वैज्ञानिक 'क' के पद की कुल संख्या वैज्ञानिक 'ख', वैज्ञानिक 'ग' और वैज्ञानिक 'घ' और 'क' की कुल पद संख्या के एक तिहाई से अधिक नहीं होगी। परन्तु यह और कि वैज्ञानिक 'क' के पदों की कुल संख्या वैज्ञानिक 'ब' और वैज्ञानिक 'क' के पदों की कुल संख्या के एक तिहाई से अधिक नहीं होगी। तथापि महानिदेशक, यदि वह सेवा के हित में आवश्यक समझे तो, किसी अधिकारी का एक स्थापन, प्रयोगशाला या मुख्यालय से दूसरे स्थापन, प्रयोगशाला या मुख्यालय में स्थानान्तरण उसकी प्रोन्नति पर या उसी श्रेणी में कर सकता है।

(3) सेवा के अवधि में बनाए रखने के लिए नियम 6 की कम संख्या (2) से (6) तक में वर्णित विभिन्न पदवृत्तियों के अधीन अधिकारियों का चयन प्रायोग के परामर्श से वहां के सिद्ध किया जाएगा जहां केन्द्रीय सरकार के समूह 'क' के अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाए। सीधी भर्ती द्वारा चयन साक्षात्कार या लिखित परीक्षा या दोनों द्वारा किया जाएगा। सेवा में विभिन्न पदों पर इस उपनियम में उल्लिखित पदवृत्तियों के अधीन नियुक्ति के लिए शैक्षिक ग्रहंताएं, अनुभव और आयु सीमा मोटे तौर पर अनुसूची 3 में विनिर्दिष्ट रूप में होगी तथापि, विभिन्न पदों के लिए अपेक्षित विनिर्दिष्ट ग्रहंताएं और अनुभव प्रत्येक अवसर पर महानिदेशक द्वारा प्रायोग से परामर्श करके विहित किए जाएंगे।

(4) नियम 6 की मब (4) में उल्लिखित पदवृत्ति द्वारा प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त अधिकारी प्रारम्भ में 2 वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किए जाएंगे जो महानिदेशक के विवेकानुसार बढ़ाई या हटाई जा सकती है। किसी भी वक्ता में प्रतिनियुक्ति की कुल अवधि 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी। तथापि प्रतिनियुक्ति भत्ता, प्रतिनियुक्ति के केवल प्रथम बार वर्षों के लिए अनुभवे होगा।

(5) नियम 6 की मब (4) में उल्लिखित पदवृत्तियों द्वारा सचिवा पर नियुक्त अधिकारी साधारणतः छह वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किए जाएंगे। तथापि वे एक वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे सचिवा की अवधि महानिदेशक के विवेकानुसार घटाई जा सकती है। छह वर्ष के अन्त में सचिवा का नवीकरण किया जाएगा।

(6) प्रतिनियुक्ति या सचिवा की अवधि के दौरान सम्बद्ध अधिकारियों के कार्य का निर्धारण ऐसे कालिक अन्तरालों पर किया जाएगा जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाए और यदि उसे समाधान-प्रब समझा जाए तो सेवा की समुचित श्रेणी में आभेदन के लिए ऐसे अधिकारियों के मामलों पर महानिदेशक प्रायोग से परामर्श करके विचार करेगा।

(7) नियम 6 की मब (3), (5) और (6) में वर्णित किसी पदवृत्ति के अनुसरण में सेवा में नियुक्त अधिकारियों की ज्येष्ठता महानिदेशक द्वारा प्रायोग से परामर्श करके नियत की जाएगी।

9. परीक्षा :—सेवा की किसी श्रेणी में सीधी भर्ती द्वारा या प्रोन्नति द्वारा नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

परन्तु महानिदेशक सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार परीक्षा की अवधि को बढ़ा या घटा सकता है।

परन्तु यह और कि ऐसे मामलों में, जहां परीक्षा की अवधि को बढ़ाने का प्रस्ताव हो, महानिदेशक ऐसा करने के अपने प्राशय की लिखित सूचना अधिकारी को परीक्षा की प्रारम्भिक या बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति के पश्चात् बारह सप्ताह के भीतर देगा।

(2) परीक्षा की अवधि के पूरा होने पर, व्यक्तियों को, यदि उन्हें स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य समझा जाए तो नियमित आधार पर पद पर बनाए रखा जाएगा। और उन्हें उपलब्ध अधिष्ठायी रिक्त पदों पर सम्यक् समय के दौरान पुष्ट कर दिया जाएगा।

(3) यदि इस नियम के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट परीक्षा की अवधि के दौरान या यथास्थिति, उसके बढ़ाए जाने के दौरान सरकार की यह राय है कि अभ्यर्थी स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा यदि परीक्षा की ऐसी अवधि के दौरान या उसकी वृद्धि के दौरान सरकार की यह राय हो कि परीक्षा की ऐसी अवधि या उसकी पढ़ाई गई अवधि की समाप्ति पर अभ्यर्थी स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो सरकार, अभ्यर्थी को, यथास्थिति, सेवान्मुक्त कर देगी या उसके अधिष्ठायी पद पर वापस भेज देगी या ऐसे आवेदन पारित करेगी जो वह उचित समझे।

(4) अभ्यर्थी से यह अपेक्षा की जा सकती है वह परीक्षा की अवधि के दौरान ऐसा प्रशिक्षण या अभिन्यास पाठ्यक्रम पूरा करे और ऐसी परीक्षाएं और परीक्षण पास करे (जिसमें हिन्दी की परीक्षा सम्मिलित है) जो महानिदेशक द्वारा परीक्षा की समाधान पूर्ति की शर्त के रूप में विहित की जाय।

10. सेवा का प्रधान :—महानिदेशक सेवा का प्रधान होगा और सरकार के सर्वोत्तम लाभ के लिए सेवा के अधिकारियों के अभिमनियोजन के लिए उत्तरदायी होगा।

11. सेवा का वायित्व :—सेवा में नियुक्त अधिकारियों का, भारत के भीतर या बाहर कहीं भी सेवा करने का वायित्व होगा।

(3) अधिकारियों को यदि प्रतिनियुक्ति किया जाए तो उनका भारत सरकार के किसी अन्य मंत्रालय या विभाग का सरकार के निगमों और औद्योगिक उपक्रमों में सेवा करने का वायित्व होगा।

(3) निम्नलिखित टिप्पण में निर्दिष्ट इंजीनियरी या कि चिकित्सीय अर्हताएं रखने वाले और इन नियमों के प्रारम्भ से पूर्व या पश्चात् भर्ती किए गए व्यक्तियों का, यदि ऐसी अपेक्षा हो तो, सशस्त्र बल में 4 वर्ष से अधिक अवधि के लिए जिसमें प्रशिक्षण में व्यतीत की गई अवधि भी यदि कोई हो, सम्मिलित है, कमोशन प्राप्त आफिसर के रूप में सेवा करने का वायित्व होगा, परन्तु :

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के पश्चात् उनसे पूर्वोक्त रूप में सेवा करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी; और

(ख) इंजीनियरों के मामले में 40 वर्ष और डाक्टरों के मामले में 45 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् उनसे सामान्यतः पूर्वोक्त रूप में सेवा करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

टिप्पण :—इस नियम में निर्दिष्ट इंजीनियरी या चिकित्सा अर्हताएं वे हैं जो यथास्थिति, सेवा अनुदेश 10/8/65 के पैरा 2(ख) या 1959 के सेवा अनुदेश 208 के पैरा 3(ख) में अधिकृत हैं।

(4) सेवा में नियुक्त व्यक्ति का अनुसंधान और विकास या ऐसे अन्य काम की बाबत जो महानिदेशक द्वारा अनुमोदित हो, एक सीमित समय तक फील्ड सेवा करने का (जिसमें भूमि पर सेवा या सेवा वायुयान या नौसेना पोत द्वारा यात्रा भी सम्मिलित है) वायित्व होगा।

(5) सीमित फील्ड सेवा वाले काम के लिए चुने गए अधिकारियों को, यथास्थिति, जयन के समय या जब वे फील्ड सेवा पर जाने वाले हों ऐसी विशेष चिकित्सीय जांच करानी होगी, जो निर्निर्दिष्ट की जाए।

(6) सेवा में नियुक्त अधिकारियों का ऐसा प्रशिक्षण पाने का वायित्व होगा और जिन्हें भारत के भीतर या बाहर ऐसे अनुदेश पाठ्य-क्रमों पर प्रतियुक्त किया जाएगा जो महानिदेशक द्वारा समय-समय पर विनिश्चय किए जाएं। ऐसे प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम के लिए प्रतियुक्त अधिकारी, जिसकी अवधि छह मास या उससे अधिक है, या ऐसा अधिकारी, जो भारत से बाहर या भारत में प्राइवेट कर्मों या कारखानों में प्रतिनियुक्त है, प्रशिक्षण की अवधि पर ध्यान दिए बिना, प्रशिक्षण की पूरी लागत वापस करने के लिए वायी होगा यदि वह किसी भी कारण से प्रशिक्षण के दौरान या ऐसा प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात् तीन वर्ष की अवधि के भीतर अपनी सेवा समाप्त कर देना चाहता है।

12. सेवा निवृत्ति फायदे :—सेवा का ऐसा सदस्य, जो इन नियमों की प्रख्यापना से पूर्व पेंशन या अंशदायी भविष्य निधि प्रसुविधाओं का पात्र था, ऐसी प्रख्यापना के ठीक पूर्व उसे लागू नियमों द्वारा शासित होता रहेगा।

(2) इन नियमों की प्रख्यापना पर या उसके पश्चात् पेंशनीय आधार पर भर्ती किया गया सेवा का सदस्य, ऐसे अन्य सिविलियनों को, जिनके वेतन का संदाय रक्षा सेवा प्राक्कलन से किया जाता है, लागू समय-समय पर यथा संशोधित, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 द्वारा शासित होगा। इस प्रकार भर्ती किया गया सेवा का सदस्य जो अंशदायी भविष्य निधि के आधार पर है, अंशदायी भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं) नियम द्वारा शासित होगा।

(3) सेवा में वैज्ञानिक 'ड' और इससे ऊपर के सभी पद पेंशनहीन होंगे और इन पदों को धारण करने वाले अधिकारी अंशदायी भविष्य निधि (रक्षा सेवा) नियम द्वारा शासित होंगे।

टिप्पण—केन्द्रीय या राज्य सरकारों के अधीन पेंशनीय आधार पर पहले से ही पद धारण करने वाले अधिकारी, यदि ऐसा विकल्प प्रकट करे तो, अपनी पेंशन वाली प्रास्थिति बनाए रख सकते हैं परन्तु :

(क) ऐसे विकल्प का प्रयोग इन नियमों की प्रख्यापना की तारीख से या सेवा में प्रामेयन की तारीख से, इनमें से जो भी पश्चात-वर्ती हो, छह मास के भीतर किया जाना चाहिए ; और

(ख) एक बार विकल्प का प्रयोग कर देने पर वह अन्तिम होगा। नियत समय के भीतर विकल्प का प्रयोग न करने पर यह अर्थ लगाया जाएगा कि विकल्प, वर्तमान पेंशन प्रसुविधाएं लेते रखने के पक्ष में हैं।

टिप्पण—2—सेवा के किन्हीं पेंशन वाले पदों पर सीधी भर्ती द्वारा या प्रोन्नति द्वारा नियुक्त और उन (पदों) पर पृष्ठ किए गए व्यक्तियों को जब वैज्ञानिक 'क' या उससे ऊपर के पद पर सीधे नियुक्त किया जाता है तो वे अपनी पेंशन ग्राही प्रास्थिति बनाए रखेंगे।

(4) सेवा में वैज्ञानिक 'घ' और उससे नीचे के सभी पद पेंशन वाले पद होंगे।

टिप्पण 3—वैज्ञानिक 'घ,' जो इन नियमों के प्रख्यापना पर ऐसे पद धारण करते हैं और अंशदायी भविष्य निधि द्वारा शासित है पेंशन प्रसुविधाओं के लिए विकल्प दे सकते हैं परन्तु :

(क) ऐसे विकल्प का प्रयोग इन नियमों की प्रख्यापना की तारीख से छह मास के भीतर किया जाएगा; और

(ख) एक बार विकल्प का प्रयोग कर देने पर वह अन्तिम होगा। नियत समय के भीतर विकल्प का प्रयोग न करने का यह अर्थ लगाया जाएगा कि विकल्प वर्तमान अंशदायी भविष्य निधि प्रसुविधाएं लेते रखने के पक्ष में हैं।

(5) बाब में सेवा में प्रवेश करने वाले अभ्यर्थी, जो वैज्ञानिक 'न' और उससे ऊपर के पदों पर नियुक्त हैं, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुशेष अधिवाषिकी पेंशन के प्रयोजनों के लिए सेवा काल के बढ़ाए गए वर्षों की प्रसुविधाओं के हकदार होंगे।

13. सेवा की अन्य शर्तें—(1) ऐसे विषयों की बाबत, जिनका इन नियमों में स्पष्ट उल्लेख नहीं है, सेवा के सदस्यों की सेवा की शर्तें, यथावश्यक परिवर्तनों सहित, और सेवा के बारे में सरकार द्वारा जारी किए गए किन्हीं विशेष आदेशों के अधीन रहते हुए, बही होंगी जो भारत सरकार के अधीन समरूप वैज्ञानिक संस्थाओं या संगठनों में तत्समान प्रास्थिति के अधिकारियों (सिविलियन) को लागू होती हैं।

(2) धारण और अनुशासन के विषय में सेवा के अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (धारण) नियम 1964 और केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और प्रपील) नियम, 1965 द्वारा शासित होंगे।

(3) इस सेवा के सभी पदों को समूह 'क' के पदों के रूप में वर्गीकृत किया जायगा और उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय वन सेवा और केन्द्रीय सेवाओं के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) द्वारा जारी किए गए चिकित्सा विनियमों और चिकित्सा रिपोर्ट प्रक्रिया में यथा निर्निर्दिष्ट चिकित्सा मानकों के प्रयोजन के लिए 'तकनीकी पद' समझा जाएगा।

(4) (क) भारत के भीतर या भारत के बाहर ऐसे उच्च अध्ययन के लिए, जो रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के किसी हित में हों, उद्दी के लिए सेवा के अधिकारियों के निवेदन को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ख) जब सेवा का कोई अधिकारी प्रशिक्षण या अध्ययन के ऐसे पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए आवेदन करता है, जिसका रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के हित के विषयों पर सीधा प्रभाव पड़ता है और उसके परिणामस्वरूप ऐसे अध्ययन या प्रशिक्षण में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के हित पूरे होते हैं, यद्यपि अधिकारी की पेंशनित्व करने की सीमा तक नहीं, तो उसे निम्नलिखित शर्तों पर अध्ययन छुट्टी मंजूर की जा सकती है।

(1) रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन अधिकारी को अध्ययन या प्रशिक्षण के स्वतः तक जाने और वहां से आने का खर्च नहीं देगा।

(2) मंजूर की गई छुट्टी सामान्यतः बारह मास से अधिक नहीं होगी और किसी भी दशा में समस्त सेवा काल में, वहां के सिवाय, दो वर्ष से अधिक नहीं होगी, जहां छुट्टी का आवेदन डाक्रेट या स्मॉल अर्रैंज प्रान्त करने के लिए हो। इस दशा में छुट्टी की अवधि को ऐसी अर्रैंज प्रान्त करने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अवधि तक बढ़ाया जा सकता है किन्तु वह समस्त सेवा काल में चार वर्ष से अधिक नहीं होगी। बारह मास से अधिक को अध्ययन छुट्टी केवल तब मंजूर की जा सकती है यदि अधिकारी ने रक्षा मंत्रालय अनुसंधान और विकास संगठन में 5 वर्ष से अधिक सेवा की हो और कम से कम 3 वर्ष तक निरन्तर सेवा की हो।

(3) अध्ययन छुट्टी किसी अन्य प्रकार की छुट्टी के साथ इस शर्त के अंतर्गत जो जा सकती है कि अध्ययन छुट्टी असाधारण छुट्टी से भिन्न विरहित छुट्टी के साथ मिलाकर 28 मास से अधिक नहीं होगी। और यह कि अनुपस्थिति की अधिकतम अवधि, जिसमें अध्ययन छुट्टी भी शामिल है, सम्पूर्ण सेवा काल में 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(4) अधिकारी से एक बन्धपत्र प्राप्त किया जाएगा जिसमें वह भारत के भीतर या बाहर अध्ययन या प्रशिक्षण के पूरा हो जाने के पश्चात् रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में कम से कम तीन वर्ष और अधिक से अधिक पांच वर्ष सेवा करने के लिए अपने को बाबद्ध करेगा।

(5) नियत अवधि के भीतर कर्तव्य पद पर अधिकारी के लौटने की दशा में, अधिकारी की अध्ययन छुट्टी की अवधि को वेतन, पेशन, वेतनवृद्धि आदि के प्रयोजनों के लिए गणना में लिया जाएगा। किन्तु अध्ययन छुट्टी की समाप्ति के पश्चात्, अधिकारी के कर्तव्य पद पर लौटने की दशा में, अधिकारी सरकार को बन्धपत्राधीन धन का संशय करने के लिए बाध्य होगा और उसके साथ ही अधिकारी के सेवा का भी पर्यवेक्षण किया जा सकेगा।

(6) अन्य सभी विषयों की बात, जिसमें छुट्टी वेतन और अध्ययन भत्ता भी सम्मिलित है, समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी), नियम, 1972 में अन्तर्निष्ठ "अध्ययन छुट्टी" से संबंधित नियम, इस सेवा के सदस्यों को भी लागू होंगे।

14. निरग्रहणार्थ:—वह व्यक्ति,—

(1) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या

(2) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है ;

सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू मर्याद विधि के अधीन ग्राह्य है तो और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा।

15. नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा सभ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगा।

16. व्यावृत्ति : इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इन संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

17. निर्वचन:—यदि इन नियमों के निर्धवन के बारे में कोई प्रश्न उठता है तो उनका विनिश्चय सरकार द्वारा किया जाएगा।

"18. कतिपय मामलों में रक्षा विज्ञान सेवा नियम, 1967 का अंत:—

इन नियमों के प्रारम्भ पर और से, रक्षा विज्ञान सेवा नियम, 1967, जहाँ तक उनका संबंध उन पदों से है, जिन्हें ये नियम लागू होते हैं, प्रतुल नहीं रहेंगे।"

अनुसूची-1

रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा में प्रोन्नति के लिए अधिकारियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करने के लिए मूल्यांकन बोर्ड का गठन

मूल्यांकन बोर्ड का गठन निम्नलिखित रूप में किया जाएगा:—

- (i) आयोग का अध्यक्ष/सदस्य या आयोग का नामनिर्देशित अध्यक्ष
- (ii) अनुसंधान और विकास महानिदेशक द्वारा नामनिर्दिष्ट उचित प्राप्ति के दो या तीन विभागीय अधिकारी सदस्य
- (iii) आयोग द्वारा नामनिर्दिष्ट दो या दो से अधिक विशेषज्ञ सदस्य

भाग (i) क्रम सं० (2) में उल्लिखित अधिकारियों को, सामान्यतः उस स्तर से जिन के लिए प्रशिक्षणों की प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, एक स्तर ऊंचा होना चाहिए।

(ii) अध्यक्ष से भिन्न बोर्ड के किसी सदस्य की अनुपस्थिति मूल्यांकन बोर्ड की कार्यवाहियों को अविधिमार्ग्य नहीं बनाएगी।

(iii) मूल्यांकन बोर्ड की कार्यवाहियों आयोग के अनुमोदन के अंतर्गत होगी।

(iv) वह तारीख, जिससे मूल्यांकन बोर्ड की सिफारिशें प्रभावशील होंगी आयोग के परामर्श से विनिश्चय की जाएगी।

अनुसूची—2

(नियम 4 देखिए)

रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा में सम्मिलित समूह 'क' पदों की संख्या और वेतनमान

क्रम सं०	पद का नाम	वेतनमान	पद संख्या
1	वैज्ञानिक 'ख' (जिन्हें अब तक श्रेष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी श्रेणी 2 कहा जाता है)	700-40-900-२० रो० 40-1100-50-1300 रु०	512
2	वैज्ञानिक 'ग' (जिन्हें अब तक श्रेष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी श्रेणी 1 कहा जाता है)	1100-50-1600 रु०	378
3	वैज्ञानिक 'घ' (जिन्हें अब तक मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी कहा जाता है)	1500-60-1800-100-2000 रु०	118
4	वैज्ञानिक 'ग' (जिन्हें अब तक मुख्य उप वैज्ञानिक अधिकारी कहा जाता है)	1800-100-2000-125/2-2250 रु०	19
5	वैज्ञानिक 'ख' (जिन्हें अब तक निदेशक श्रेणी 2 कहा जाता है)	2000-125/2-2500 रु०	11
6	वैज्ञानिक 'छ' (जिन्हें अब तक निदेशक श्रेणी 2 कहा जाता है)	2500-125/2-3000 रु०	12
7	मुख्य नियंत्रक, अनुसंधान और विकास	2500-125/2-3000 रु०	1
8	रक्षा मंत्री का वैज्ञानिक सलाहकार और अनुसंधान और विकास महा-निदेशक	समय समय पर सरकार द्वारा जैसा विनिश्चित किया जाए।	1

अनुसूची-3

[नियम 8(2) देखिए]

रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा में सम्मिलित समूह 'क' के विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए न्यूनतम शैक्षिक और अन्य अर्हताएं, अनुभव और आयु सीमा

क्रम सं०	पद का नाम	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं और अनुभव	आयु सीमा	
		वैज्ञानिक इंजीनियरी या तकनीकी विषयों को ऐसे पदों के लिए जिनमें अर्हताओं की अपेक्षा हो।	ऐसे पदों के लिए जिनमें चिकित्सा संबंधी अर्हताओं की अपेक्षा हो	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	वैज्ञानिक 'ख'	<p>आवश्यक :</p> <p>किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान-विषयों गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि अथवा इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य ।</p> <p>बांछनीय :</p> <p>जर्मन, फ्रेंच, रूसी, जापानी या चीनी भाषा की जानकारी</p>	<p>(1) भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम 1956 (1956 का 102) का प्रथम अनुसूची या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय अर्हता/उक्त तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित चिकित्सीय अर्हता धारकों को उक्त अधिनियम को धारा 13 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों को भी पूरा करना चाहिए ।</p> <p>(2) अनिवार्य धूर्णी इंटर्नशिप को पूरा किया हो</p>	अधिक से अधिक 26 वर्ष (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के कर्मचारियों के लिए शिथिल की जा सकती है)
2	वैज्ञानिक 'ग'	<p>आवश्यक :</p> <p>(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान-विषयों गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की मास्टर की उपाधि अथवा इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य ।</p> <p>(2) अपेक्षित क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में कम से कम 5 वर्षों तक अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में 5 साल के अनुभव और विकास के क्षेत्र में 5 साल के अनुभव</p>	<p>(1) भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की प्रथम अनुसूची या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय अर्हता/उक्त तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित चिकित्सीय अर्हता धारकों को उक्त अधिनियम को धारा 13 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों को भी पूरा करना चाहिए ।</p> <p>(2) अनिवार्य धूर्णी इंटर्नशिप को पूरा किया हो</p>	अधिक से अधिक 30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	<p>वांछनीय :</p> <p>(1) विज्ञान, गणित या मनोविज्ञान में डाक्टरेट उपाधि अथवा सम्बद्ध विषय में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में मास्टर की उपाधि।</p> <p>(2) जर्मन, फ्रेन्च, रूसी, जापानी, या चीनी भाषा की जानकारी।</p>			
3 वैज्ञानिक 'ब'	<p>आवश्यक :</p> <p>किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान विषयों, गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि अथवा इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य।</p> <p>(2) अपेक्षित क्षेत्र में अनुसंधान या डिजाइन या विकास या उत्पादन में 8 वर्ष का अनुभव।</p> <p>वांछनीय :</p> <p>(1) विज्ञान, गणित या मनोविज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि अथवा सम्बद्ध विषय में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में मास्टर की उपाधि।</p> <p>(2) जर्मन, फ्रेन्च, रूसी, जापानी या चीनी भाषा की जानकारी।</p>	<p>आवश्यक :</p> <p>(1) भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की प्रथम अनुसूची या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय प्रवृत्ति। उक्त तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित चिकित्सीय प्रवृत्ति धारकों को उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों को भी पूरा करना चाहिए।</p> <p>(2) अपेक्षित स्नातकोत्तर उपाधि प्रवृत्ति।</p> <p>(3) चिकित्सा राहत, चिकित्सा अनुसंधान, चिकित्सा शिक्षा या लोक स्वास्थ्य संगठन के अपेक्षित क्षेत्र में आठ वर्ष का व्यावहारिक और प्रशासनिक अनुभव।</p>	अधिक से अधिक 45 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है)	
4 वैज्ञानिक 'क'	<p>आवश्यक :</p> <p>(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान विषयों, गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर उपाधि अथवा इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य।</p> <p>(2) अपेक्षित क्षेत्र में अनुसंधान या डिजाइन या विकास या उत्पादन में 10 वर्ष का अनुभव।</p> <p>वांछनीय :</p> <p>(1) विज्ञान, गणित या मनोविज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि अथवा सम्बद्ध विषय में या प्रौद्योगिकी या धातुकी में मास्टर की उपाधि।</p> <p>(2) जर्मन, फ्रेन्च, रूसी, जापानी या चीनी भाषा की जानकारी।</p>	<p>आवश्यक :</p> <p>(1) भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) की प्रथम अनुसूची या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय प्रवृत्ति। उक्त तृतीय अनुसूची भाग 2 में सम्मिलित चिकित्सीय प्रवृत्ति धारकों को उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों को भी पूरा करना चाहिए।</p> <p>(2) अपेक्षित स्नातकोत्तर उपाधि प्रवृत्ति।</p> <p>(3) चिकित्सा राहत, चिकित्सा अनुसंधान, चिकित्सा शिक्षा या लोक स्वास्थ्य संगठन के अपेक्षित क्षेत्र में दस वर्ष का व्यावहारिक और प्रशासनिक अनुभव।</p>	अधिक से अधिक 45 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है)	
5 वैज्ञानिक 'ख'	<p>आवश्यक :</p> <p>(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान विषयों, गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि अथवा इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य।</p>	<p>आवश्यक :</p> <p>(1) भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की प्रथम अनुसूची या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय प्रवृत्ति। उक्त तृतीय अनुसूची के भाग 2 में</p>	अधिक से अधिक 45 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है)	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
-----	-----	-----	-----	-----

- | | | | |
|--|--|---|---|
| (2) अपेक्षित क्षेत्र में अनुसंधान या डिजाइन या विकास या उत्पादन में 10 वर्ष का अनुभव।
वांछनीय : | (1) विज्ञान, गणित या मनोविज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि अथवा सम्बद्ध विषय में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में मास्टर की उपाधि।
(2) जर्मन, फ्रेंच, रूसी, जापानी या चीनी भाषा की जानकारी। | (2) अपेक्षित क्षेत्र में स्नातकोत्तर उपाधि अर्हता।
(3) चिकित्सा राहत, चिकित्सा अनुसंधान चिकित्सा शिक्षा या लोक स्वास्थ्य संगठन के अपेक्षित क्षेत्र में वस वर्ष का व्यावहारिक और प्रशासनिक अनुभव। | सम्मिलित चिकित्सीय अर्हता धारकों को उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों को भी पूरा करना चाहिए। |
|--|--|---|---|

6. वैज्ञानिक छ'

7. मुख्य अनुसंधान और आवश्यक :

विकास नियंत्रक

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान विषयों, गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर उपाधि अथवा इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य।
(2) अपेक्षित क्षेत्र में अनुसंधान या डिजाइन या विकास या उत्पादन में बारह वर्ष का अनुभव।

वांछनीय :

- (1) विज्ञान, गणित या मनोविज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि अथवा सम्बद्ध विषय में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में मास्टर उपाधि।
(2) जर्मन, फ्रेंच, रूसी, जापानी या चीनी भाषा की जानकारी

आवश्यक :

- (1) भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम 1956 (1956 का 102) की प्रथम अनुसूची या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय अर्हता उक्त तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित चिकित्सीय अर्हता धारकों को उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों को भी पूरा करना चाहिए।
(2) अपेक्षित स्नातकोत्तर उपाधि अर्हता।
(3) चिकित्सा राहत, चिकित्सा अनुसंधान, चिकित्सा शिक्षा या लोक स्वास्थ्य संगठन के अपेक्षित क्षेत्र में बारह वर्ष का व्यावहारिक और प्रशासनिक अनुभव।

अधिक से अधिक 50 वर्ष (सरकारी सेवाओं के लिए शिथिल की जा सकती है)

8. वैज्ञानिक सहायकार ऐसी शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव जो सरकार और अनुसंधान द्वारा विहित की जाए।
और विकास महा-निदेशक।

टिप्पण 1. अर्हताएं अन्यथा मुद्रित अभ्यर्थियों की दशा में आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं विशेषकर अनुभव संबंधी अर्हताएं आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामलों में उस दशा में शिथिल की जा सकती है, जब कि चयन के किसी प्रक्रम पर आयोग की यह राय हो कि इनके लिए आरक्षित पदों पर भर्ती के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं।

टिप्पण 2. आयु सीमा अवधारित करने की निष्पत्ति तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्वमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।

टिप्पणी 3. रक्षा सेवाओं के ऐसे अधिकारियों के पाम, जिन पर सेवा में ऊपर उल्लिखित श्रेणियों में से किसी श्रेणी में सिविलियन हैसियत में प्रवेश या स्थानान्तरण के लिए विचार किया जाता है, सीधी भर्ती के लिए विहित न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव होना चाहिए। परन्तु यह और कि यदि महानिदेशक की सिकारिश पर, किसी अधिकारी द्वारा पूरा किया गया कोई सेवा पाठ्यक्रम विशेषज्ञ प्रशिक्षण आदि सीधी भर्ती के लिए विहित अर्हताओं के समान माना जाता है तो ऐसे अधिकारियों के बारे में यह समझा जाएगा कि उन्होंने इस अनुसूची में उपर्युक्त न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा कर लिया है।

[फा० सं० 0744 प० आर० डी०-21(क) आर डी (आर एण्ड डी)]

एन ११० बेंकटेश्वरन्, अवसर सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 30th December, 1978

S.R.O. 8.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Defence Research and Development Service Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

- (1) "Assessment Board" means the Board constituted under Sub-rule (2) of Rule 8; rule (2);
- (2) "Commission" means the Union Public Service Commission;
- (3) "Director General" means the Director General of Research and Development;
- (4) "duty post" means any post, whether permanent or temporary, included in Schedule II;
- (5) "Government" means the Government of India;
- (6) "Organisation" means the Defence Research and Development Organisation;
- (7) "Schedule" means a Schedule to these rules;
- (8) "Scheduled Castes" means such castes, races or tribes or parts of or groups within such castes, races or tribes as are notified under article 341 of the Constitution, to be Scheduled Castes for the purpose of Constitution;
- (9) "Scheduled Tribes" means such tribes or tribal communities or parts of or groups within such tribes or tribal communities as are notified under article 342 of the Constitution to be Scheduled Tribes, for the purpose of the Constitution;
- (10) "Service" means the Defence Research and Development Service.

3. Constitution of the Defence Research and Development Service.—There shall be constituted a service known as the Defence Research and Development Service consisting of persons appointed to the Service under rules 7 and 8. All posts included in the Service shall be classified as 'Group 'A' posts.

4. Grades, authorised strength and its review.—(1) The posts included in the Service, their number and pay scales, shall be as specified in Schedule II.

(2) After the commencement of these rules, the authorised permanent strength of the various grades shall be such as may, from time to time, be determined by the Government.

(3) The Government may make temporary additions or deletions to the strength of the various grades as deemed necessary from time to time.

(4) The Government may, in consultation with the Commission, include in the Service any post other than those included in Schedule II or exclude from the Service a post included in the said Schedule.

(5) The Government may, in consultation with the Commission, appoint an officer whose post is included in the Service under sub-rule (4) of this rule, to the appropriate grade of the Service in a temporary capacity or in substantive capacity, as may be deemed fit, and fix his seniority in the grade in consultation with the Commission.

5. Member of the Service.—(1) The following persons shall be members of the Service:—

- (a) Persons appointed to the Service at the promulgation of these rules under rule 7 from the date of such promulgation;

- (b) Persons appointed to duty posts after the promulgation of these rules from the date they are so appointed.

(2) A person appointed under clause (a) of sub-rule (1) of this rule shall, on such promulgation, be deemed to be a member of the Service in the corresponding grade.

(3) A person appointed under clause (b) of sub-rule (1) of this rule shall be a member of the Service in the corresponding grade, from the date of such appointment.

(4) Apart from the above, the Government may when considered necessary, appoint eminent scientists as Consultants or as Emeritus Scientists on terms and conditions to be decided by the Government in each case.

6. Method of recruitment.—Recruitment to the Service shall be made by any of the following methods, the method of recruitment on each occasion being decided by the Government in the light of qualifications required for the particular post keeping in view the job requirement of the same:—

- (1) by promotion;
- (2) by direct recruitment;
- (3) by transfer of suitable officers from other Services and Departments under the Central or State Governments;
- (4) by deputation or on contract of suitable scientists and technologists from Universities, Institutes of Technology, Research Institutions and other non-government bodies in India or abroad or Central or State Governments Departments;
- (5) by absorption in civilian capacity of suitable officers from the Army, Navy and Air Force;
- (6) by absorption of suitable officers who were appointed on deputation or under contract by the method mentioned in item (4) above.

7. Initial constitution of the Service.—(1) (a) All Group 'A' officers in the Defence Science Service and working in the Defence Research and Development Organisation on the date of promulgation of these rules shall be deemed to have been appointed to the Defence Research and Development Service in the posts or grades corresponding to those which they were holding on regular basis.

(b) Any such officer in the Defence Science Service who is or was working on the above date in any of the offices or establishments under the Directorate General of Inspection and the Directorate of Technical Development and Production (Air), shall not become a member of the Defence Research and Development Service unless he, within three months from the date of promulgation of these rules, opts for the Service and is found fit for appointment thereto in the manner mentioned in sub-rule (2) below.

(2) The suitability for appointment to the Service in the case of the Defence Science Service Officers serving in the Directorate General of Inspection and the Directorate of Technical Development and Production (Air) who opt for Defence Research and Development Service shall be determined by a Screening Committee constituted as under. The decision of this Committee shall be final and binding on all concerned and no appeal shall lie against the decision of this Committee:—

- (a) Chairman or Member of the Commission—President.
- (b) Scientific Adviser to Raksha Mantri and Director General of Research and Development. —Members.
- (c) Two Chief Controllers of Research and Development. —Members.
- (d) One Officer of appropriate status in the discipline concerned to be nominated by the Director General. —Members.

Explanation:—The absence of a member other than the Chairman or Member of the Commission shall not invalidate the proceedings of the Screening Committee.

Provided that the Defence Science Service Officers who are found suitable by the Screening Committee for appointment to this Service shall be absorbed in the Service against the available vacancies in the corresponding grades held by them on regular basis in the Defence Science Service on the date preceding the date of promulgation of these rules and shall retain their inter-se seniority as assigned to them in the Defence Science Service on that date. Such of the officers as cannot be so absorbed for want of vacancies shall continue to serve with the Directorate General of Inspection or Directorate of Technical Development and Production (Air) Organisations till such time as regular vacancies in the corresponding grades become available in the Service for their absorption. The seniority of such officers shall be fixed by the Director General in consultation with the Commission.

Note:—The regular continuous service of officers mentioned in sub-rules (1) and (2) above in the respective grades prior to their appointment to the Defence Research and Development Service shall count for the purpose of qualifying service for promotions, confirmation and pension in the Service.

(3) Any officer referred to in sub-rule (1)(a) of this rule who does not, on selection to any grade in the Service, desire to be absorbed in the Service, may continue to hold the post held by him immediately before the selection as if he had not been selected and for this purpose that post shall be deemed to have been excluded from the Service for so long as he continues to hold it. He shall not be considered for any further promotion or confirmation in the organisation.

(4) To the extent the authorised regular strength of various grades in the Service is not filled at the time of the initial constitution, it shall be filled in accordance with rule 8.

8. Future maintenance of the Service.—(1) After the initial constitution of the Service has been completed by the appointment of officers in accordance with rule 7, vacancies shall be filled in the manner as hereinafter provided:—

- (a) The posts in the grade of Scientist 'B' in various disciplines shall be generally filled by direct recruitment through an open competitive examination in accordance with the scheme of examination that may be approved in consultation with the Commission. The age limit shall be 26 years (Relaxable for employees of Defence Research and Development Organisation). Unless covered by any of the exceptions that may, from time to time, be notified by the Government in this behalf, no candidate shall be permitted to avail of more than three chances at the examination. However, all those who have been recruited before the promulgation of these rules as Junior Scientific Officers in the Defence Research and Development Organisation on regular basis and possess the educational qualifications and experience as laid down for direct recruits, shall be eligible, till they are wasted out, for promotion to the post of Scientist 'B' upto 50 per cent of the vacancies in the grade;

The selection for such promotions shall be made on the recommendations of the Assessment Board on the basis of (i) confidential reports or interview or both or (ii) a limited departmental competitive examination followed by assessment of confidential reports or interview or both. In the event of a limited departmental competitive examination, all those existing departmental Junior Scientific Officers who do not possess the educational qualifications as laid down for the direct recruit shall also be permitted to take the examination and if they qualify and are further assessed fit by the Assessment Board, they shall, subject to approval by the Commission, also be eligible for promotion to the post of Scientist 'B'.

Provided further that the total number of posts filled in this manner in that grade shall at no time exceed 50 per cent of the total sanctioned strength for that grade on the date of promulgation of these rules. This concession shall also be admissible to those persons who are appointed or promoted as Junior Scientific Officers in the Defence Research and Development Organisation on regular basis on or after the date of promulgation of these rules provided that—

- (i) they are appointed as Junior Scientific Officer against posts which are advertised by the Commission prior to the date of promulgation of these rules;

- (ii) they are promoted as Junior Scientific Officers on the basis of the recommendations made by the Departmental promotion Committee prior to the date of promulgation of these rules.

Provided further that it shall be open to the appointing authority to fill these posts by direct recruitment without resort to the open competitive examination in consultation with the Commission.

- (b) Any of the higher posts above that of Scientist 'B' shall be filled by any of the methods mentioned in rule 6, the method of recruitment being decided upon by the Director General on each occasion depending on specific requirements and in the light of the qualifications required for that particular post. For posts involving project management, as the interests of the State and the objectives of the Organisation are of paramount importance, the Government shall decide the mode of filling up the posts, taking into consideration, competence required of the incumbent of the post, the tasks to be achieved and the availability of persons with the requisite qualifications and experience both within the Service and outside.
- (c) The post of Scientific Adviser and Director General of Research and Development shall be filled in consultation with the Commission.

(2) Department promotions shall be made from amongst the officers possessing the broad educational qualifications as given in Schedule III and serving in the next lower grade. Selection of officers for promotion shall be made in accordance with the following manner on the basis of individual's merit or accomplishments in the particular grade as assessed by the Assessment Board constituted as at Schedule-I and not based on seniority consideration only.

- (a) Assessment Boards shall be convened at least once a year or at such intervals as may be prescribed by the Director General. These Boards may meet as a whole or in parts in one or more establishments as may be decided by the Director General for the purpose of assessing merit of persons serving in different Establishments or Laboratories or Headquarters for promotion to the higher grade.
- (b) The specific qualification requirements (QR) for promotion to the posts of Scientists 'A' and above shall be determined by the Director General on each occasion in the light of qualifications required for the particular post keeping in view the job requirements for the same.
- (c) In evaluating the suitability of the officers for promotion, the Assessment Board shall take into consideration their qualifications, performance, merit, seniority, etc. The selection shall be on the basis of Confidential Reports and interview. However, the Assessment Board may, at their discretion, consider in absentia the candidature of such officer(s) who are unable to present themselves for the interview. The Assessment Board shall draw up a list of officers who are assessed as fit for promotion to the next higher grade.
- (d) The Assessment Board shall consider the cases of all officers, who have completed five years regular service in the grade to assess their suitability for promotion to the next higher grade. However, if an officer has earned three successive 'Outstanding' reports or four successive 'Very Good' reports in the same grade, he shall also be assessed for promotion to the next higher grade.
- (e) Recommendations of the Assessment Boards held at different Establishments, Laboratories or Headquarters, after approval by the Commission, shall be implemented from the date to be arrived at in consultation with the Commission. This date shall be treated as the date of selection for purposes of determining their seniority in the grade in respect of all officers cleared for promotion provided they are on duty on that date. However, officers who are

away from their Establishments, Laboratories or Headquarters on leave on that date, shall assume charge in the grade to which they are promoted with effect from the date they resume duty in their Establishment, Laboratory or Headquarters but this shall not affect their 'date of selection' or their inter-se seniority in the higher grade vis-a-vis the other officers cleared for promotion by the same Assessment Board. In so far as persons undergoing training in India or abroad (under FR 51) are concerned, they shall be promoted to the next higher grade with effect from the date they would have been so promoted had they not proceeded on training subject to the following conditions being fulfilled:—

- (i) The period of such training is treated as duty under FR 9(6)(b);
- (ii) They have been approved for promotion to the next higher grade;
- (iii) All their seniors, except those regarded as unfit for promotion to the particular grade, available have been promoted to that grade.
- (f) In regard to promotion of officers to the grades of Scientists 'C', Scientists 'D' and Scientists 'E', officers promoted from one grade to the next higher grade on the recommendation of the Assessment Board shall as far as possible, be granted in-situ promotion in the same Establishments, Laboratories or Headquarters. For this purpose, the required number of posts in the grade shall be upgraded, under the powers of the Director General, within the budgetary ceilings sanctioned for that Establishment, Laboratory or Headquarters subject to the proviso that the number of posts of Scientists 'D' and Scientists 'E' shall not exceed one-third of the total number of posts of Scientists 'B', Scientists 'C', Scientists 'D' and Scientists 'E' put together and provided further that the number of posts of Scientists 'E' shall not exceed one-third of the total number of posts of Scientists 'D' and Scientists 'E' put together. However, the Director General, may transfer an officer from one Establishment, Laboratory or Headquarters to another, on his promotion or in the same grade, if considered necessary in the interests of the Service.

(3) Selection of officers under the different methods mentioned at serials (2) to (6) of rule 6, for future maintenance of service shall be made in consultation with the Commission except while appointing a Central Government Group 'A' officer on deputation. Selection by direct recruitment shall be by interview or written test or both. The educational qualifications, experience and age limit for appointment to various posts in the Service under the methods mentioned in this sub-rule shall be broadly as specified in Schedule III. However, the specific educational qualifications and experience required for different posts shall be prescribed by the Director General on each occasion in consultation with the Commission.

(4) Officers appointed on deputation by the method mentioned in item (4) of rule 6 shall be initially appointed for a period of two years which may be extended or curtailed at the discretion of the Director General. The total period of deputation shall, in no case, exceed five years. However, deputation allowance shall be admissible only for the first four years of deputation.

(5) Officer appointed on contract by the method mentioned in item (4) of rule 6 shall ordinarily be appointed for a period of six years. They shall, however, be on probation for a period of one year. The period of contract may be curtailed at the discretion of the Director General. The contract may be renewed at the end of six years.

(6) During the period of deputation or contract, the performance of the officers concerned shall be assessed at periodic intervals to be specified by the Director General and if the same is considered satisfactory, cases of such officers may also be considered by the Director General, in consultation with the Commission, for absorption in an appropriate grade of the Service.

(7) The seniority of officers appointed to the Service in pursuance of any of the methods at (3), (5) and (6) of rule 6 shall be fixed by the Director General in consultation with the Commission.

9. Probation.—(1) Persons appointed to any of the grades of the Service, either by direct recruitment or by promotion shall be on probation for a period of two years;

Provided that the Director General may extend or curtail the period of probation in accordance with the instructions issued by the Government from time to time.

Provided further that in cases where it is proposed to extend the period of probation, the Director General shall give notice in writing of his intention to do so, to the officer within twelve weeks after expiry of the initial or extended period of probation.

(2) On the completion of the period of probation, persons shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointment on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies.

(3) If, during the period of probation referred to in sub-rule (1) of this rule or any extension thereof, as the case may be, the Government is of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if, at any time during such period of probation, or extension thereof the Government is satisfied that the candidate will not be fit for permanent appointment on the expiry of such period of probation or extension thereof, the Government may discharge or revert the candidate to his substantive post as the case may be or pass such orders as they deem fit.

(4) During the period of probation, the candidates may be required to undergo such courses of training and orientation and to pass such examinations and tests (including examination in Hindi) as may be prescribed by the Director General as a condition to satisfactory completion of the probation.

10. Head of the Service.—The Director General shall be the head of the Service and shall be responsible for deployment of officers of the Service to the best advantage of the Government.

11. Liability for service.—(1) Officers appointed to the Service shall be liable to serve any where in India or outside.

(2) Officers, if deputed, shall be liable to serve in any other Ministry or Department of the Government of India or Corporations and Industrial Undertakings of the Government.

(3) Persons possessing the engineering or medical qualifications referred to in the Note below and recruited to the Service, whether before or after the commencement of those rules, shall, if so required, be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years, including the period spent in training, if any, provided that—

(a) they shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment; and

(b) they shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years in the case of engineers and forty-five years in the case of doctors.

Note :—The engineering or medical qualifications referred to in this rule are those laid down in Para 2(b) of Army Instruction 10/S/65 or Para 3(b) of Army Instruction 208 of 1959, as the case may be.

(4) Persons appointed to the Service shall be liable to field service (including service on land or travel by service aircrafts or naval ships) to a limited extent in respect of research and development or such other work as may be approved by the Director General.

(5) Officers selected for assignments involving limited field service shall undergo such special medical check up as may be specified, either at the time of selected or when they proceed on field service, as the case may be.

(6) Officers appointed to the Service shall be liable to undergo such training and be detailed on courses of instruction in India or abroad as the Director General may decide

from time to time. An officer detailed for training or course the duration of which is six months or more or an officer detailed for training outside India or with private firms or factories in India, irrespective of the duration of the training, shall be liable to refund in full the cost of training if, for any reason, during the training or within a period of three years after the completion of such training, he chooses to discontinue his service.

12. Retirement benefits.—(1) A member of the Service, who, before the promulgation of these rules, was eligible for pension or contributory Provident Fund benefits, shall continue to be governed by the rules applicable to him immediately before such promulgation.

(2) A member of the Service recruited on or after the promulgation of these Rules, on pensionable basis, shall be governed by the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972 as amended from time to time, as applicable to other civilians paid from the Defence Service Estimates. A member of the Service so recruited, who is on Contributory Provident Fund basis shall be governed by the Contributory Provident Fund (Defence Services) Rules.

(3) All posts of Scientist 'E' and above in the Service shall be non-pensionable and officers holding these posts shall be governed by the Contributory Provident Fund (Defence Services) Rules.

Note 1:—Officers already holding posts on pensionable basis under the Central or State Governments may, if they so opt, retain their pensionable status; provided that :—

- (a) such option shall be exercised within six months from the date of promulgation of these Rules, or date of absorption in the Service, whichever is later, and
- (b) the option once exercised shall be final. Any failure to exercise an option, within the stipulated period shall be construed to mean an option in favour of retaining the existing pensionary benefits.

Note 2:—Persons appointed to any of the pensionable posts of service either by direct appointment or by promotion and confirmed therein, when directly appointed to the post of Scientist 'E' or above shall continue to retain their pensionable status.

(4) All posts of Scientist 'D' and below in the Service shall be pensionable.

Note 3:—Scientist 'D' holding such posts at the promulgation of these rules and governed by the Contributory Provident Fund Rules may opt for pensionary benefits; Provided that :—

- (a) such option shall be exercised within six months from the date of promulgation of these rules; and
- (b) the option once exercised shall be final. Any failure to exercise an option within the stipulated period shall be construed to mean an option in favour of retaining the existing Contributory Provident Fund benefits.

(5) Lateral entry candidates appointed to posts of Scientists 'C' and above shall be entitled to the benefits of added years of service for purposes of superannuation pension admissible under Rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.

13. Other conditions of service.—(1) The other conditions of service of the members of the Service in respect of matters not expressly provided for in these rules, shall, mutatis mutandis and subject to any special orders issued by the Government in respect of the Service, be the same as those applicable to officers (Civilian) of corresponding status in similar scientific institutions or organisations under the Government of India.

(2) In the matter of conduct and discipline, officers of the Service shall be governed by the Central Civil Service (Conduct) Rules, 1964 and Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, as amended from time to time.

(3) All posts in this Service shall be classified as Group 'A' posts and shall be deemed to be 'technical posts' for purposes of medical standards as specified in the Medical Regulations and Medical Report form for the Indian Administrative Service, Indian Police Service, Indian Foreign Service, Indian Forest Service and the Central Services issued by the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

(4) (a) Requests of officers of the Service for leave to prosecute higher studies in India or abroad, which are not considered to be of any interest to Defence Research and Development Organisation, shall not be granted.

(b) When an officer of the Service applies for leave for undergoing course of training or study which is considered to have a direct bearing on subjects of interest to Defence Research and Development Organisation and if such study or training will, as a consequence, serve the interests of Defence Research and Development Organisation, although not to the extent of placing the officer on deputation, the officer may be granted study leave on the following conditions :—

- (1) The Defence Research and Development Organisation shall not pay for the officer's travel to and from the place of study or training.
- (2) The leave sanctioned shall not normally be more than twelve months and, in no case, shall exceed two years in the entire period of service except when the leave is applied for obtaining a Doctorate or a similar qualification, in which case the period of leave may be extended to a minimum period required for acquiring such a qualification but not exceeding four years in the entire period of service. Study leave in excess of twelve months may be granted only if the officer has rendered more than five years service and at least three years' continuous service in the Defence Research and Development Organisation.
- (3) Study leave may be taken in combination with leave of any other kind subject to the condition that study leave in combination with regular leave other than extraordinary leave shall not exceed twenty eight months. Further, the maximum period of absence including the study leave shall not exceed four years in the entire period of service.
- (4) A bond shall be obtained from the officer binding him to serve the Defence Research and Development Organisation after the completion of the study or training in India or abroad for a minimum period of three years and a maximum period of five years.
- (5) In the event of the officer returning to duty post within the stipulated period, the officer's study leave period shall count for the purposes of pay, pension, increment, etc. However, in the event of the officer not returning to the duty post after the expiry of the study leave, the officer shall be liable to pay the bond money to the Government and at the same time the service of the officer may be terminated.
- (6) In regard to all other matters including leave salary and study allowance, the rules regarding 'study leave' as contained in the Central Civil Service (Leave) Rules, 1972, as amended from time to time, will be applicable to the members of this Service.

14. Disqualifications.—No person,—

- (1) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (2) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the service; provided that the Government may, if, satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule

15. Power to relax.—Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Commission relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons or posts.

16. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age-limit and other concessions, required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

17. Interpretation.—If any question relating to interpretation of these rules arises, it shall be decided by the Government.

18. Cessor of Defence Science Service Rules, 1967 in certain cases.—On and from the commencement of these rules, the Defence Science Service Rules, 1967 shall, in so far as they relate to the posts to which these rules are applicable, cease to be in force.

SCHEDULE I

(See Rule 8(2))

Constitution of the Assessment Board for assessing suitability of officers for promotion in the Defence Research and Development Service

The Assessment Board shall be constituted as under :—

(1) Chairman or Member of the Commission or a nominee of the Commission. ...Chairman.

(2) Two or three departmental officers of appropriate status nominated by the Director General, Research and Development. ...Member.

(3) Two or more experts to be nominated by the Commission. ...Member.

Note : (i) The officers mentioned at Serial No. (2) should normally be at least one level above the level for which the persons are to be considered for promotion.

(ii) The absence of a member of the Board other than the Chairman shall not invalidate the proceedings of the Assessment Board.

(iii) The proceedings of the Assessment Board shall be subject to approval by the Commission.

(iv) The date from which the recommendations of the Assessment Board will be effective shall be decided in consultation with the Commission.

SCHEDULE II

(Sec Rule 4)

Numbers and Scales of pay of Group 'A' posts included in the Defence Research and Development Service

S. No.	Designation of Post	Scale of pay	No. of post
1.	Scientist 'B' (hitherto known as Senior Scientific Officer Grade II).	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.	512
2.	Scientist 'C' (hitherto known as Senior Scientific Officer Grade I).	Rs. 1100.50-1600.	378
3.	Scientist 'D' (hitherto known as Principal Scientific Officer)	Rs. 1500-60-1800-100-2000.	118
4.	Scientist 'E' (hitherto known as Deputy Chief Scientific officer).	Rs. 1800-100-2000-125/2-2250.	19
5.	Scientist 'F' (hitherto known as Director Grade II).	Rs. 2000-125/2-2500	11
6.	Scientist 'G' (hitherto known as Director Grade I).	Rs. 2500-125/2-3000	12
7.	Chief Controller of Research and Development.	Rs. 2500-125/2-3000	1
8.	Scientific Adviser to Raksha Mantri and Director General Research and Development.	As decided by the Government from time to time.	1

SCHEDULE III

[See Rule 8(2)]

Minimum educational and other qualifications, experience and age limit for direct recruitment to various Group 'A' posts included in the Defence Research and Development Service

Sl. No.	Name of post	Educational and other qualifications and experience for direct recruits		Age limit
		For posts requiring qualifications in Scientific or Engineering or Technical subjects	For posts requiring medical qualifications	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Scientist 'B'	<p>Essential :</p> <p>At least Second Class Master's Degree in Science subjects, Mathematics or Psychology or Second Class Degree in Engineering or Technology or Metallurgy from a recognised University or equivalent.</p> <p>Desirable :</p> <p>Knowledge of German, French, Russian, Japanese or Chinese.</p>	<p>Essential :</p> <p>(i) A medical qualification included in the first Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act, 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of section 13 of the said Act.</p> <p>(ii) Completion of compulsory rotating internship.</p>	Not exceeding 26 years. (Relaxable for Defence Research and Development Organisation employees).
2.	Scientist 'C'	<p>Essential :</p> <p>(i) At least Second Class Master's Degree in Science subjects, Mathematics or Psychology or Second Class Degree in Engineering or Technology or Metallurgy from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) Four years' experience in research or design or development or production in the required areas.</p> <p>Desirable :</p> <p>(i) Doctorate degree in Science Mathematics or Psychology or Master's degree in Engineering or Technology or Metallurgy in the subject concerned.</p> <p>(ii) Knowledge of German, French, Russian, Japanese or Chinese.</p>	<p>Essential :</p> <p>(i) A medical qualification included in the First Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of section 13 of the said Act.</p> <p>(ii) Required post-graduate degree qualification.</p> <p>(iii) Three years practical and administrative experience in the required field of medical relief, medical research, medical education or public health organisation.</p>	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government Servants)
3.	Scientist 'D'	<p>Essential :</p> <p>(i) At least Second Class Master's Degree in Science subjects, Mathematics or Psychology or Second Class Degree in Engineering, Technology or Metallurgy from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) Eight years experience in research or design or development or production in the required areas.</p> <p>Desirable :</p> <p>(i) Doctorate Degree in Science, Mathematics or Psychology or Master's Degree in Engineering or Technology or Metallurgy in the subject concerned.</p> <p>(ii) Knowledge of German, French, Russian, Japanese or Chinese.</p>	<p>Essential :</p> <p>(i) A medical qualification included in the First Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of section 13 of the said Act.</p> <p>(ii) Required Post Graduate Degree qualification.</p> <p>(iii) Eight years practical and Administrative experience in the required field of medical relief, medical research, or medical education or public health organisation.</p>	Not exceeding 45 years (Relaxable for Government servants).

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
4. Scientist 'E'	Essential : (i) At least Second Class Master's Degree in Science subjects, Mathematics or Psychology or at least Second Class Degree in Engineering or Technology or Metallurgy from a recognised University or equivalent. (ii) Ten years' experience in research or design or development or production in the required areas. Desirable : (i) Doctorate Degree in Science Mathematics or Psychology or Master's Degree in Engineering or Technology or Metallurgy in the subject concerned. (ii) Knowledge of German, French, Russian, Japanese or Chinese.	Essential : (i) A medical qualification included in the First Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of section 13 of the said Act. (ii) Required Post-Graduate Degree qualification. (iii) Ten years' practical and administrative experience in the required field of medical relief, medical research, medical education or Public Health organisation.	Not exceeding 45 years. (Relaxable for Government servants).	
5. Scientist 'F'	Essential : (i) At least Second Class Master's Degree in Science subjects or Mathematics or Psychology or at least Second Class degree in Engineering or Technology or Metallurgy from recognised University or equivalent. (ii) Ten years' practical experience in research or design or development or production in the required areas. Desirable : (i) Doctorate Degree in Science, Mathematics or Psychology or Master's Degree in Engineering or Technology or Metallurgy in the subject concerned. (ii) Knowledge of German, French, Russian, Japanese or Chinese.	Essential : (i) A medical qualification included in the First Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of Section 13 of the said Act. (ii) Required Post-Graduate degree qualification. (iii) Ten years' practical and administrative experience in the required field of medical relief, medical research, medical education or public health organisation.	Not exceeding 45 years. (Relaxable for Government servants).	
6. Scientist 'G'	} Essential : (i) At least Second Class Master's Degree in Science subjects, Mathematics or Psychology or at least Second Class degree in Engineering or Technology or Metallurgy from a recognised University or equivalent. (ii) Twelve years' experience in research or design or development or production in the required areas. Desirable : (i) Doctorate Degree in Science, Mathematics or Psychology or Master's Degree in Engineering or Technology or Metallurgy in the subject concerned. (ii) Knowledge of German, French, Russian Japanese or Chinese.	Essential : (i) A medical qualification included in the First Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act, 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of Section 13 of the said Act. (ii) Required Post-graduate degree qualification. (iii) Twelve years' practical and administrative experience in the required field of medical relief, medical research, medical education or public health organisation.	Not exceeding 50 years. (Relaxable for Government servants).	
7. Chief Controller of Research and Development				
8. Scientific Adviser and Director General of Research and Development.	Such educational qualifications and experience as may be prescribed by the Government.			

Note : 1—The qualifications prescribed are relaxable at the discretion of the Commission in the case of candidates otherwise well qualified in particular the qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, if at any stage of selection the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the posts reserved for them.

Note : 2—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

Note : 3—Officers from the Defence Services who have to be considered for induction or transfer in the service in a Civilian capacity in any of the grades mentioned above, should possess the minimum educational qualifications and experience prescribed for direct recruits. Provided further that, if on the recommendations of the Director General any service course, specialised training etc., undergone by an officer is considered to be at par with those prescribed for the direct recruits, such officers may also be deemed to fulfil the minimum requirements set forth in this Schedule.

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1979.

का० नि० आ० 9.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 16 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 14 अप्रैल 1979 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को जबलपुर छावनी में साधारण निर्वाचन किए जाएंगे।

[फाइल नं० 29/3 सी/एलएण्ड सी/75/70-सी-डी (केन्ट)]

New Delhi, the 3rd January, 1979

S.R.O. 9.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby fixes 14th April, 1979 as the date on which elections in Jabalpur Cantonment shall be held.

[File No. 29/3/C/L&C/75/70-C/D(Cants.)]

का० नि० आ० 10.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 16 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 15 अप्रैल 1979 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को क्लेमेंट टाउन छावनी में साधारण निर्वाचन किए जाएंगे।

[फाइल सं० 29/2/सी/एल एण्ड सी/75/68-सी-डी (केन्ट)]

S.R.O. 10.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby fixes 15th April, 1979 as the date on which elections in Clement Town Cantonment shall be held.

[File No. 29/2/C/L&C/75/68-C/D(Cants.)]

का० नि० आ० 11.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 16 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 24 मार्च 1979 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को अल्मोड़ा छावनी में साधारण निर्वाचन किए जाएंगे।

[फाइल संख्या 29/46/सी/एल एण्ड सी/66/66-सी-डी (केन्ट)]

S.R.O. 11.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby fixes 24th March, 1979 as the date on which elections in Almora Cantonment shall be held.

[File No. 29/46/C/L&C/66/66-C/D(Cants.)]

का० नि० आ० 12.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, औरंगाबाद की सदस्यता में मेजर बी० एस० चम्पावत के त्यागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल संख्या 19/47/सी/एल एण्ड सी/66/41-सी-डी (केन्ट)]

S.R.O. 12.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Aurangabad by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Major B. S. Champawat.

[File No. 19/47/C/L&C/66/41-C/D(Cants.)]

का० नि० आ० 13.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि मेजर तुल्सी दास को आफिसर कमांडिंग स्टेशन द्वारा मेजर बी० एस० चम्पावत के जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, औरंगाबाद के सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/47/सी/एल एण्ड सी/66/41-सी-डी (केन्ट)]

S.R.O. 13.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major Tulsi Dass has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board, Aurangabad vice Major B. S. Champawat who has resigned.

[File No. 19/47/C/L&C/66/41-C/D(Cants.)]

का० नि० आ० 14.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, शाहजहाँपुर की सदस्यता में मेजर जी० एस० विर्क के त्यागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल संख्या 19/30/सी/एल एण्ड सी/65/80-सी-डी (केन्ट)]

S.R.O. 14.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major Ram Singh has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of the Cantonment Board, Shahjahanpur by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Major G. S. Virk.

[File No. 19/30/C/L&C/65/80-C/D(Cants.)]

का० नि० आ० 15.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि मेजर रामसिंह को आफिसर कमांडिंग स्टेशन द्वारा मेजर जी० एस० विर्क के जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, शाहजहाँपुर के सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/30/सी/एल एण्ड सी/65/80/1-सी-डी (केन्ट)]

S.R.O. 15.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major Ram Singh has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board Shahjahanpur vice Major G. S. Virk who has resigned.

[File No. 19/30/C/L&C/65/80/1-C/D(Cants.)]

का० नि० आ० 16.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, बैरकपुर की सदस्यता में स्का० ली० एस० के० थापर के त्यागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल संख्या 19/49/सी/एल एण्ड सी/66/14-सी-डी (केन्ट)]

S.R.O. 16.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Barrackpore by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Sqn. Ldr. S. K. Thapar.

[File No. 19/49/C/L&C/66/14-C/D(Cants.)]

का० नि० आ० 17.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि स्का० ली० जगदीश राम को आफिसर कमांडिंग स्टेशन द्वारा स्का० ली० एस० के० थापर के जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, बैरकपुर के सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/49/सी/एल एण्ड सी/66/14/1-सी-डी (केन्ट)]

S.R.O. 17.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Sqn. Ldr. Jagdish Ram has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board Barrackpore vice Sqn. Ldr. S. K. Thapar who has resigned.

[File No. 19/49/C/L&C/66/14/1-C/D(Cantts.)]

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1979

का० नि० आ० 18.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, जबलपुर की सदस्यता में ले० के० बी० एम० संगत के त्यागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल सं० 19/2/सी/एल एण्ड सी/65/39/सी० (केन्ट)]

New Delhi, the 5th January, 1979

S.R.O. 18.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Jabalpur by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Lt. Col. B. S. Mangat.

[File No. 19/2/C/L&C/65/39-C/D(Cantts.)]

का० नि० आ० 19.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि ले० के० आई० एम० वधवा को आफिसर कमांडिंग स्टेशन द्वारा ले० के० पी० एस० संगत के जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, जबलपुर के सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/2/सी/एल एण्ड सी/65/39/1-सी/डी (केन्ट)]

S.R.O. 19.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Lt. Col. I. S. Wadva has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board Jabalpur vice Lt. Col. B. S. Mangat who has resigned.

[File No. 19/2/C/L&C/65/39/1-C/D(Cantts.)]

का० नि० आ० 20.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, जबलपुर की सदस्यता में कर्नल ए० डी० सिंह के त्यागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल संख्या 19/2/सी/एल एण्ड सी/65/39/II-सी/डी (केन्ट)]

S.R.O. 20.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Jabalpur by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Col. A. D. Singh.

[File No. 19/2/C/L&C/65/39/II-C/D(Cantts.)]

का० नि० आ० 21.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि कर्नल ए० के० भट्टाचार्य को आफिसर कमांडिंग स्टेशन द्वारा कर्नल ए० डी० सिंह के जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, जबलपुर के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/2/सी/एल एण्ड सी/65/39/III-सी/डी (केन्ट)]

S.R.O. 21.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Col. A. K. Bhattacharya has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonments Board Jabalpur vice Col. A. D. Singh who has resigned.

[File No. 19/2/C/L&C/65/39/III-C/D(Cantts.)]

का० नि० आ० 22.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, बबीना की सदस्यता में मेजर मकसूद अहमद के त्यागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल संख्या 19/16/सी/एल एण्ड सी/65/40-सी/डी (केन्ट)]

S.R.O. 22.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Babina by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Major Maqsood Ahmed.

[File No. 19/16/C/L&C/65/40-C/D(Cantts.)]

का० नि० आ० 23.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि मेजर जगजीत सिंह को आफिसर कमांडिंग स्टेशन द्वारा मेजर मकसूद अहमद के जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, बबीना के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/16/सी/एल एण्ड सी/65/40/1-सी/डी (केन्ट)]

प्रदीप भट्टाचार्य, प्रवर सचिव

S.R.O. 23.—In pursuance of sub-section (1) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major Jagjit Singh has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board Babina vice Major Maqsood Ahmed who has resigned.

[File No. 19/16/C/L&C/65/40/1-C/D(Cantts.)]

P. BHATTACHARYA, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1979

का० नि० आ० 24.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में रक्षा मंत्रालय, अनुसंधान तथा विकास मुख्यालय को, जिसके कर्मचारीभूट ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

New Delhi, the 5th January, 1979

S.R.O. 24.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the Ministry of Defence, Research & Development Headquarters, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

का० लि० आ० 25.— केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के कामकीय प्रयोजनों के लिए, प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अन्तर्गत में रक्षा मंत्रालय, अनुसंधान तथा विकास संगठन के निम्नलिखित स्थापनाओं/प्रयोगशालाओं को, जिसके कर्मचारी/व्यक्ति ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

1. रक्षा विज्ञान प्रयोगशाला, दिल्ली
2. टोसायम्हा भौतिक प्रयोगशाला, दिल्ली
3. रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रत्येक्ष केन्द्र, दिल्ली
4. रक्षा अग्नि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
5. रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना, खालियार
6. आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना, पुणे
7. आयुध प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे
8. विस्फोटक अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला, पुणे
9. अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर्स), पुणे
10. नगरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, चण्डीगढ़
11. रक्षा सामग्री एवं वस्तु अनुसंधान तथा विकास स्थापना, कानपुर
12. स्थानिक तकनीकी कार्यालय, कानपुर
13. वैमानिकीय प्रतिया अध्ययन तथा विश्लेषण केन्द्र, बंगलूर
14. आवासिक तकनीकी कार्यालय, हैदराबाद
15. हवाई विनयन अनुसंधान एवं विकास स्थापना, आगरा छावनी
16. रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला, देहरादून
17. यन्त्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना, देहरादून
18. नौसेना रासायनिक तथा धातुकर्मीय प्रयोगशाला, बम्बई
19. आवासिक तकनीकी कार्यालय, लखनऊ
20. रक्षा कार्याध्ययन संस्थान, मयूरी
21. बाह्य अनुसंधान तथा विकास स्थापना, अहमदनगर
22. रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर
23. नौसैनिक भौतिकी तथा समुद्र-विज्ञान प्रयोगशाला, कोचीन

यशवीर प्रसाद जैन, उप निदेशक (प्रशासन)

S.R.O. 25.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the undermentioned Establishments/Laboratories of the Research & Development Organisation, Ministry of Defence, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

1. Defence Science Laboratory, Delhi.
2. Solidstate Physics Laboratory, Delhi.
3. Defence Scientific Information and Documentation Centre, Delhi.
4. Defence Institute of Fire Research, New Delhi.
5. Defence, Research & Development Establishment Gwalior.
6. Armament Research & Development Establishment, Pune.
7. Institute of Armament Technology, Pune.
8. Explosive Research & Development Laboratory, Pune.
9. Research & Development Establishment (Engrs), Pune.
10. Terminal Ballistics Research Laboratory, Chandigarh.
11. Defence Material & Stores Research & Development Establishment, Kanpur.
12. Resident Technical Office, Kanpur.
13. Centre for Aeronautical System Studies & Analysis, Bangalore.
14. Resident Technical Office, Hyderabad.
15. Aerial Delivery Research & Development Estt. Agra Cantt.
16. Defence Electronics Application Laboratory, Dehradun.
17. Instruments Research & Development Establishment, Dehradun.
18. Naval Chemical & Metallurgical Laboratory, Bombay.
19. Resident Technical Office, Lucknow.
20. Defence Institute of Workstudy, Mussoorie.
21. Vehicles Research & Development Establishment, Ahmednagar.
22. Defence Laboratory, Jodhpur.
23. Naval Physical & Oceanographic Laboratory, Cochin.

Y. P. JAIN, Dy. Director (Admn.).

